

1391
I

ASIA ARCHIVES

हं नमः श्री वडु सत्वाय धवज सत्वं महावी लं सर्वरुद्रानदाय कं सर्वसि
ध्वज नार्थं जह धावनमाहं ॥ गुरुमाह कावि धनमाह ॥ मोच का
थापना याय ॥ मधुसूदन न थापना डव गल सः सव महा का वः क म थ गि ग
दु र नादन य जा या य ॥ गुत्र या स व स गुरु म लु ल ॥ अरु द न य द स गुरु
क न गः आदि य म धा सः य व सः सामः द किं अ ग नः यु किं द वः उ र्दुः वः
गुरुः गुः न क मः गा वा य यः ना ॥ क मः क ॥ गि नः रू मः उ न ॥ व यः य
दि पु ति था य ना धु न का वः कि या रु य ॥ ॥ गुत्र लु नः सि ध य जा द गु नि ध

न का वः स गः म गः क रः य जा ध न का वा ध न गुरु सा ध न ॥ स ल व स रु द्रा ४ स
व ध मा ४ स रा व स रु द्रा स न्या ता ह न व ड स रा वा स का इ रं त त ४ ग न्या ता न
क नः य का व ल वा य म लु ल ॥ न का व ल मि म लु ल ॥ वं का व ल वा त ल म लु ल ॥
ग इ य वि लं का व ल यि थि स लु ल ॥ ग इ य वि स का व ल स म त्र म लु ल ॥ ग ल म धा म का
व ल क टा र्ग नं ॥ व रु न मं य रु द्रा वः व रु ता व ल स सा रि ता ॥ ग ल म धा मि त क
म ल य वि क क म ग धं स लु ल क ॥ स का म य व ड स र्यो व क व र्द ता य स त्र
य ध नः रु डी स्या गा न क म ल व लं का ठि स र्यो स म पु रं ॥ ल स क वं ल व य न ॥

[illegible]

१०० मां गु व लु द क्रि ला पी त म् स य वी रि यु नु म य यो व या म् दं अ
 रि म न य न क क स ला ल विः क म् लु न क य द्वा स न स मि
 त पी त य ल व क्क दा नी स न क म् म ग्ग सा हि तं सु जा र्वा न्क क्क स न क म द
 न्द म लं वृ ध व उ ला य त्ता क्क य्वा य्वा न्वा म् उ व्वा य्वा ला ॥ ग्ग न य न्द न
 य य य य न स यी त य ल्वा य वि तं यी त य्वा न म् ला उ नं म् ग्ग सा स क न
 उ य य य य म् दं मु ति ॥ यी त य ल्वा म् दं का निः स या वि ष वि ना स कं य
 द्वा स नं मिः सो म् वृ ध व उ न म् म् दं ॥ जा य ॥ उ व्वा य्वा ला ॥ १०० ॥ क
 म् ग न्द यो दि ॥ ५ ॥ त त उ त न द न यी त क स अ ल व विः द य द न

गन्धमन्त्रं कुरु कुरु दनसमा चरुं यन्त्रि वा उ क व ग अत्रि न फ का
 कन वल्लु रं न क स ग य सा लि तं र उ आ र्णां क क स ग क म लु उ ध वं ग
 च व उं व द स्य नि र व य न् ॥ क्काः पाः य स्यां न्या स ॥ उ ला हि त व ल्लु नि ग मा य
 व द स्य नं न म ॥ उ ला ग म्मु दा य स्या द ॥ य जा ॥ य नुः म धूः धू य ॥ यी त व न्द नं
 यि नु य ह्य प्र वि ना य यी नु य स्यां न म ॥ ध धी खी च र कं उ य ङा ष या म्म दं ॥ ॐ
 मां व ल्लु द क्क ल य व वी हि या न म् य ङा ष या म्म द ॥ मु ति ॥ न य को क्क न
 ल्लु रं द व दा ष यि ना स नं सर्व द वा गु न्ना थं व द स्य नि न मा म्म दं ॥ आ य ॥

ॐ शंभुदाय नमः ॥ शृंगं च न्यादि ॥ ५ ॥ ततश्चात्तय दनः लक क म
 लात्यत्रिः य न्य ग भ म लु ल क य शो मन स हितं मु क य लः पा स य त व न र्ध
 विः उ द म क टि तं रु द्रा खं शृ क म रः क म लु नृ ध नः व उ मु कं विला य य न
 ॥ आः याः य यं न्या म ॥ उ न म ४ मु का धि य त अ स नार्क मा यः सु द वी ल रु सा दा ॥
 क य न ध यं नि म न्या म हं ॥ ल्य त व न नः ल्य त य स य वी तः ल्य त य स न म ॥
 क्री न रु क्री न न उ य य स य म ह ॥ ६ ॥ मा न उ त द्य टि त य ति वी यः अ सा द
 क ता क ला व वी हि य त म य य स य म हं ॥ मु ति ॥ अ स नार्क मा यः सु द वी ल रु सा दा ॥

सतवर्त्ममहाकलं सर्वविद्यायदाता नमः वज्रमुकुटनमाम्बुदं ॥ जाय ॥ ऐं
सुत्रा कृमायसाहा ॥ अक्षगन्ध्यादि ॥ १ ॥ ततश्चैव यद्वचः शीतयंकजा
यनिः नीचवन्दगन्धमल्लकः कुमासनसमात्रुदः कृष्णवर्त्मदिगम्बनं
शीतजतामकुम्भग्रुध्वनः हृष्यांजकृष्णसुखिनीकाध्वनः वज्रगनि
म्वचरावयत् ॥ आः याः यथा न्यास ॥ उगनिनी लारुसुकृष्णवर्त्मयः कृष्ण
हृकृष्णदा ॥ कृष्णविचयनः धूपगन्धनसः कृष्णयक्षावतीतः कृष्णयथान
मः सावहर्मसमां सहका उखावयाम्बुदं ॥ २ ॥ मानजतयटितकृष्णध्वनद

कृत्वा माषवीदियातुदिमयथा मिरुं ॥ मुनि ॥ कृष्णवर्त्ममहावीलं सर्व
सुखविनासकं इति कुरुयदाता नमः वज्रमल्लनमाम्बुदं ॥ जाय ॥ ऐं कृष्णव
र्त्मयसाहा ॥ अक्षगन्ध्यादि ॥ १ ॥ ततश्चैव यद्वचः शीतयंकजा
यनिः नीचवन्दगन्धमल्लकः कुमासनसमात्रुदः कृष्णवर्त्मदिगम्बनं
शीतजतामकुम्भग्रुध्वनः हृष्यांजकृष्णसुखिनीकाध्वनः वज्रगनि
म्वचरावयत् ॥ आः याः यथा न्यास ॥ उगनिनी लारुसुकृष्णवर्त्मयः कृष्ण
हृकृष्णदा ॥ कृष्णविचयनः धूपगन्धनसः कृष्णयक्षावतीतः कृष्णयथान
मः सावहर्मसमां सहका उखावयाम्बुदं ॥ २ ॥ मानजतयटितकृष्णध्वनद

मिं चारु गीञ्जनसन्निधायः कमलपुत्रियायसादा ॥ अमुविचन्दनं य
 आधुपं कमुय ह्यापविनं कमुयुषं नमश्चामस्तुः मानः तीवकसत्रउ
 यछाषयाम्माह ॥ ॐ मावर्जदकना नीलमाषविदियातमयछाषयाम्माह ॥
 ॥ मुति ॥ महाम् नमदावीचं सर्वनागतयंकचंदवाम्नविमदनकवज
 आहं नमाम्माह ॥ जाया ॥ उं नारदवस्माह ॥ ॐ गन्धमादि ॥ ८ ॥ ततः ॥ नमः
 नदनं चकश्चायनिःसृक्कागन्धे ॥ ॐ चकश्चमवर्क्यया ॥ अत्रचयं
 कना अलियुतधरा ॥ नागकतिस्वयंकुरुतं वज्रककुलवयतु ॥

विज

आः पाः यथा न्याम ॥ उं नमः ॥ धूमं रवर्क्यसन्निधायः कातिकतयसादा
 ॥ सउ नमधूयानमश्चाविचिगुचन्दनं विचिगुयह्यापविनं विचिगुय
 नमश्चराउ नं यमयचकं सयछाषयाम्माह ॥ ॐ मावर्जदकना नीलमाषविदियातमयछाषयाम्माह ॥ मुति ॥ धूमव
 क्कमदात्रदं यादानवसध्विनं सर्वधुविहताचं वज्रककुलनमाम्माह ॥
 जाया ॥ उं कातिकतयसादा ॥ ॐ गन्धमादि ॥ ८ ॥ ततः ॥ ॐ नमोवदित्था
 न ॥ उं नमोवदित्था ॥ ॐ नमोवदित्था ॥ ॐ नमोवदित्था ॥ ॐ नमोवदित्था ॥

राययतु॥ आः याः ययं न्यास॥ उज्ज्वलनक्रय ४ साहा॥ कयत्रय निमनना
महं॥ ल्यतय न्यनं॥ ल्यतजहायवितं॥ ल्यतययनमादधिक्रिन्नरु कंम
यथाययामहं॥ ॐ मात्रजतद्यटितयतिविवः स झाहदिक्रुत्ताः जक्रयाक
यातवीहियातुसयछाषयामहं॥ मुति॥ लज्जामकमयददारिनयायिनी
मः॥ अदिशकादयनवग्रहइयमनं॥ लाकसुदामुविष्टवयन
माककाजीरुक्का नमामिगि नसातवयादययं॥ अष्टगन्धआदि॥
॥ १०॥ ततः पुष्टिः॥ वदरुगवक्तः॥ सुवक्तुवक्तुः॥ धतसमाविसेदाः

समनरुदंताय वतु॥ आः याः ययं न्यास॥ उज्ज्वलनक्रय ४ साहा॥ कयत्रय निमनना
रुकिः॥ क्रिन्नरा॥ मुति॥ वदरुगवक्तुः॥ सुवक्तुवक्तुः॥ धतसमाविसेदाः
वमात्रयुहं तात्रः॥ समनरुदु नमामहं॥ जाय॥ उम निमहामु नियमा
हा॥ अष्टगन्धआदि॥ १॥ ततः दक्रिलदायः॥ मवक्तुः॥ दक्रिलकहदि
वज्रयनं॥ वामहसं॥ लुवावागकं॥ वज्रयानिविहावयतु॥ आः याः ययं न्या
स॥ उज्ज्वलनक्रय ४ साहा॥ कयत्रय निमनना
यीनं॥ सर्वविद्युविनासकं॥ सर्वसिद्धिपुदातात्रः॥ वज्रयनं॥ नमामहं॥ अ
ष्टगन्धआदि॥ २॥ ततः यकिमदाललाकम्बनं॥ नकवक्तुः॥ सयनवतदं

वामन अरु य य दं ला क ता थ वि ला व यत् ॥ आः याः यं न्या स ॥ ऐ य य थ
 ना य न मः सा हा ॥ य जा ॥ मु दि ला जं नं ॥ मु ति ॥ ला क थ व दा वा नं ला क ता
 थ म ह थ व नं वा धि तु ल य दा ता नं य य थ व नं न मा म हं ॥ जा य ॥ ह दि उ म
 नं न ॥ न क्क ज यत् ॥ ३ ॥ त त उ र न दा स म ह्म ग्रा द्द मा नं थ म व क्क थ त म
 डा वा गी थ व नं ला य ता आः याः यं न्या स ॥ उ र्द मा ना य न मः सा हा ॥ य जा ॥
 द धि ला ज न ॥ मु ति ॥ म ह्म ग्रा य म हा वी नं सर्व वि द्या य दा य कं वा गी थ व नं
 तु ल थ व नं वा दि न्ना जं न मा म हं ॥ ह दि उ म नं न क्क ज यत् ॥ ४ ॥ त त उ
 ॐ ग्ग ना सर्व य हा ना ना व क्कु र्मा रि तं स स वा द न स रि ता वि वि ध न्

का २

यि ला ला व यत् ॥ आः याः यं न्या स ॥ ऐ सर्व य द्द ला न मः सा हा ॥ य जा ॥ द्द ना
 द न उ य थ व यो म हं ॥ मु ति ॥ सर्व य द्द म हा वी नं आ ग यी दा वि ना स काः सर्व
 मो थ य दा ता थः सर्व य दं न मा म हं ॥ ह दि उ म नं न ॥ १ ॥ त त उ र्द मा सर्व
 न क्क ग्रा स स वा द न स मा रि ताः स स व क्कु र्मा रि तं स य द्द अ लि ला य वत् ॥
 आः याः यं न्या स ॥ उ न मः सर्व न क्क थ य थ सा हा ॥ य जा ॥ स उ न म थ यं द थ ला
 ज न ॥ मु ति ॥ सर्व ना ना म हा न ताः सर्व इ थ वि ना स काः र्द कि म कि न्दु दा रि
 व र्द म हा न मा म हं ॥ ह दि उ म नं न ॥ अ थ ग न्ध ला दि ॥ २ ॥ ने थ म वा
 य द वा नं आ ल वा द न स मा सी नाः ओ र्दु थाः स स व क्कु थ व वि ला व यत् ॥ आः याः

I 1681

1681

ASHA / ALUMINUM

महा न्यासः ॥ इति सर्वं यद्वदन्त्याः ॥ यथा ॥ सुज न स ध्येः सा स रु कं ॥ मु ति ॥
॥ उच्यते गन्धर्वोदाः सर्वं यद्वदन्त्याः ॥ सुज न स ध्येः सा स रु कं ॥ मु ति ॥
॥ आ य ॥ इति उक्तं न ॥ यथा ॥ ॥ यथा यथा रूपा वि काम दा वि द्या ॥
तनी ला वृ न द दं ति म स र जं धा ला ॥ म ल रू जा र्याः बा र्या न म डा व
त्रा स बा र्या य द्र व न क ता ध वा ॥ ता मा र्या या ग म कि ध वाः ॥ व न म रु दि नि
उच्यते कि नी व न्द्रा स न स मा मी नाः ॥ धा द ग व ष नि त्र यीः स र्वे व का व
वि रु सि तां ॥ य द्मा ति का द वी रु ग व ती रु व य ॥ आ य ॥ य था न्या स ॥

महा यि क्क हं हं म् ॥ यथा ॥ सु ग न्धि धु यं ॥ क्री व रु कं ॥ मु ति ॥ उच्यते
रू काम रु द वीः सर्वं यद्वदन्त्याः ॥ सुज न स ध्येः सा स रु कं ॥ मु ति ॥
मा म्म दं ॥ इति उक्तं न ॥ यथा ॥ ॥ यथा यथा रूपा वि काम दा वि द्या ॥
बा ल वा क्क ॥ धु न ला धं यी त व रु ॥ ना ना य रु वि रु सि तां ॥ ग न्ध वा ना
म हा वा जा नां ल व य ॥ आ य ॥ य था न्या स ॥ ॥ उच्यते वा क्क य रु
दा ॥ यथा ॥ सुज न स ध्येः न म ॥ द धि रु कं ॥ उच्यते यथा म्म दं ॥ यी त
य रु यी त व रु य था न म ॥ मु ति ॥ धु न वा व म हा वी लं ॥ यी त व रु
म हा क्क वं ॥ गी त वि द्या म हा कान्तिः ॥ ग न्ध वा नां न मा म्म दा ॥ आ य ॥

॥ उच्छ्रिताय नमः ॥ अथ गन्ध्यादि ॥ १० ॥ दक्षिणवित्रयक
लिः कुरुवर्जुमहाकावः यमदलुधलविलः यिगुना जलावयता ॥ अ
थाः यथा नमः ॥ उच्छ्रिताय नमः ॥ यथा ॥ कुरुवर्जुमहाकावः
मयसं नमः ॥ दधिमाषरु कंयु निगु द्वाय ॥ मुनि ॥ वित्रयकं महावी
लं सर्वलाक समकनं यमनाडं नमो दाकावः धर्मनाडं नमो मंदं ॥
हस्तकन नृषाडय ॥ अथ गन्ध्यादि ॥ १० ॥ यकिमत्र वित्रयाकः
नकुरुवर्जुमहाकावः नागयागधवंचीनं नागलाजा नारावयता ॥
जाः याः यः नमः ॥ उच्छ्रिताय नमः ॥ यथा ॥ कि नरा नं नमो मु

नि ॥ वित्रयाक्रमहावीलं सर्वकवसिकुचं नकुरुवर्जुमहाकावः ना
गनाडं नमो मंदं ॥ हस्तकन नृषाडय ॥ अथ गन्ध्यादि ॥ ११ ॥ कुरु
वं उग्रवद्वानं यिगवर्जुमहाकावः गजकुरुगधलं विनं धनञ्जयवि
लावयता ॥ जाः याः यः नमः ॥ उच्छ्रिताय नमः ॥ यथा ॥ धयदियने वशा
दियदुयं नमः ॥ दधिरु कं उयययामा मंदं ॥ मुनि ॥ कुरुवर्जुमहाकावः
थं सर्वलाके धनंददाय कुरुनाडमहावीनं नाडनाडं नमो मंदं ॥
हस्तकन नृषाडय ॥ अथ गन्ध्यादि ॥ १२ ॥ धयवर्जुमहाकावः यथा

ना वक्तुं विरक्तं त्रयं वक्तुं न शक्यं दधीमहे यत्नाः सात्मानं लावयन् ।
या यादियुष्मन्मासः ॥ उक्ते किञ्च यस्याहा उक्ते निम्नं न वा यस्याहा ॥ उ
क्ते २२ वक्तुं न शक्यं ॥ उक्ते महा वक्तुं न शक्यं ॥ उक्ते जा वा दनी यस्याहा ॥
उक्ते महा जा वा दनी यस्याहा ॥ उक्ते सनाथ कसियस्याहा ॥ उक्ते महा य कसियस्याहा
उक्ते रुद्र कालियस्याहा ॥ उक्ते महा कालियस्याहा ॥ उक्ते उक्ते कुरु द ब्रह्म रुद्र स्या
हा ॥ ॥ यं या यदा यदा मुक्ति ॥ उक्ते या न त्रयं महा युतः नाना त्रयं धनं यत्नं
उक्ते कुरु पियस्य कः ॥ उक्ते किञ्च यन्मानम ॥ वचि विविय ॥ ॐ मा उक्ते कुरु व
निम्नं कुरु पियस्य २२ उक्ते २२ समं न क्रु २२ समं सर्व सत्त्वानां ॥ सर्व सिद्धिं पुय क नु

हं हं हं हं हं ॥ यन ॥ कुरु वक्तुं न शक्यं दधीमहे यत्नाः सात्मानं लावयन् ।
हनीः सहिष्ठ समग्रं दं का विं क नीः जिलाः सुलाय कसिम हा कसिः हं हं
हं हं कस्य २२ उक्ते २२ वक्तुं न शक्यं ॥ उक्ते महा वक्तुं न शक्यं ॥ उक्ते जा वा दनी यस्याहा ॥
उक्ते महा सय वलिः ॥ उक्ते २२ हं हं हं हं हं ॥ ॥ यन दग्ध विविय ॥ यन क
कविः मरुः प्राचा यजा ॥ ॥ यन हाथ यजा ॥ दक्रु ना ॥ कुरु विहायः जानकं
नः का न हायकः उजमानः सुवा रु गभथा यन यो वः धुन विः हिः इः सविः
न त्रयः ॥ कुरु विं का यः वा क थ ॥ उक्ते कुरु द न उक्ते २२ ॥ उक्ते यन ना हा नन का
याः उक्ते व व व व व व ॥ उक्ते २२ ॥ उक्ते २२ ॥ उक्ते २२ ॥ उक्ते २२ ॥ उक्ते २२ ॥ उक्ते २२ ॥

Handwritten text in a cursive script, likely a historical document or manuscript. The text is written in a dark ink on aged, yellowed paper. The script is dense and fills most of the page.

Handwritten text in a cursive script, likely a historical document or manuscript. The text is written in a dark ink on aged, yellowed paper. The script is dense and fills most of the page.

[illegible]

Handwritten text in Ge'ez script, likely from a manuscript. The text is written on aged, yellowed paper with red horizontal ruling lines. It consists of approximately six lines of dense, cursive script.